UNIVERSITY OF JAMMU

जम्मू युनिवर्सिटी पोस्ट

उत्कृष्ट भविष्य की ओर अग्रसर

अगस्त 2025 | जम्मू | वर्ष: 2 | अंक 3

वीरता की गूँज : जम्मू विश्वविद्यालय ने रश्मिरथी के माध्यम से कर्ण के महाकाव्य को जीवंत किया

आतंकवाद को किसी भी समर्थन का सामना दृढ़ और व्यापक कार्रवाई से होगा : उपराज्यपाल

शुभम चौधरी

जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय में एक जीवंत शाम को, परिसर प्राचीन रथों की गड़गड़ाहट और अटूट भावना की आग से जीवंत हो उठा, जब छात्रों ने रामधारी सिंह दिनकर की विशाल हिंदी महाकाव्य रश्मिरथी का एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला नाटकीय रूपांतरण प्रस्तुत किया। इस आयोजन में उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और दिनकर की कविता की कालजयी शक्ति पर गहन चिंतन साझा किए।

रश्मिरथी–जिसका अर्थ है 'प्रकाश की किरणों का रथी'–महाभारत को कर्ण के नजरिए से पुनर्जीवंत करती है, वह दुखांत लेकिन अजेय योद्धा। विवाह से पूर्व कुंती से जन्मा और जन्म के समय त्याग दिया गया कर्ण, एक सारथी के पुत्र के रूप में पला-बढ़ा, अपनी कथित निम्न जाति के कारण निरंतर अपमान का सामना करता रहा। सूर्य देव से आशीर्वाद प्राप्त होने के बावजूद भाग्य के शापित, वह अपनी प्रतिभा और साहस से ऊँचा उठा, दुर्योधन की अटूट मित्रता प्राप्त की, जिसने उसे राजा बनाया। कर्ण का जीवन वफादारी, दानशीलता और विद्रोह की गाथा है: वह कौरवों के पक्ष में खड़ा रहा भले ही जानता था कि उनका पक्ष हारने वाला है, कुंती के पक्ष बदलने की विनती को अस्वीकार कर दिया जब उसे पता चला कि वह उसकी माँ है, और अंत तक भयंकर वीरता से लड़ा। दिनकर की उग्र पद्य कर्ण के अटूट आत्मसम्मान, अन्याय के खिलाफ विद्रोह और विपरीत परिस्थितियों में धर्म के प्रतीक को उत्सव मनाते हैं–साहस, बलिदान और मानव की नियति की क्रूरता पर विजय के विषय।

जब युवा कलाकारों ने इन विद्युतीय दृश्यों को मंच पर उतारा–कर्ण के द्वंद्वयुद्ध, उसके मार्मिक संवाद और अंतिम युद्धक्षेत्र की महिमा–दर्शक एक ऐसी दुनिया में खो गए जहाँ हर पंक्ति कच्ची भावना और राष्ट्रीय गौरव से स्पंदित थी। यह प्रस्तुति भारतीय सशस्त्र बलों के उन वीरों को समर्पित थी, जिनकी राष्ट्र की रक्षा में वीरता कर्ण की अपनी दृढ़ता का प्रतिबिंब है।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने राष्ट्रकवि दिनकर को श्रद्धांजलि अर्पित की, उनकी कविता को 'शाश्वत' और राष्ट्र की आत्मा की आवाज कहा। 'हर पंक्ति जीवन और अस्तित्व को समर्पित है,' उन्होंने कहा, जोर देते हुए कि रश्मिरथी प्राचीन मिथक से

शेष पृष्ठ 2 पर

जम्मू विश्वविद्यालय भारत के 2047 के सपने को दे रहा है उड़ान

विकसित भारत बनने की यात्रा यहीं से शुरू होनी चाहिए, हमारे स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से : प्रो. उमेश राय

अलंकृत पट्याल

जम्मू: कल्पना कीजिए एक ऐसी कक्षा जहाँ छात्र सिर्फ तथ्यों को रटते नहीं–वे वास्तविक समस्याओं से जूझते हैं, समाधान सोचते हैं और कुछ नया बनाने की हिम्मत करते हैं। जम्मू विश्वविद्यालय में यह दृष्टि अब दूर का सपना नहीं रही। यह एक बढ़ते आंदोलन की धड़कन है, जो भारत को 2047 तक वैश्विक नेता के रूप में फिर से स्थापित करने में मदद कर रहा है।

कुलपति प्रो. उमेश राय ने शांत लेकिन दृढ़ विश्वास के साथ कहा कि शिक्षा ही बदलाव की सबसे शक्तिशाली ताकत है। 'बुनियादी ढाँचा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल अर्थव्यवस्था–ये विकसित राष्ट्र के स्तंभ हैं, लेकिन सब कुछ आगे बढ़ाने वाला इंजन? वह शिक्षा है।'

उन्होंने उपस्थित लोगों को सदियों पहले के उस समय की याद दिलाई जब भारत विश्व अर्थव्यवस्था का लगभग एक-चौथाई हिस्सा करता था। उनका कहना था कि ऐसा संभव हुआ था क्योंकि उस समय की शिक्षा व्यवस्था समाज की जरूरतों और आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ी हुई थी।

शेष पृष्ठ 2 पर

समावेशिता में मील का पत्थर : जम्मू विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद ने ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त सीट को मंजूरी दी

हिमानी गुप्ता

जम्मू: एक ऐतिहासिक पहल में, जम्मू विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की बैठक आज मनोरम भद्रवाह कैंपस में आयोजित हुई, जो शैक्षणिक शासन को विकेंद्रीकृत करने और निर्णय प्रक्रिया को दूरस्थ क्षेत्रों के निकट लाने की दिशा में एक साहसिक कदम है। कुलपति प्रो. उमेश राय की अध्यक्षता में हुई इस ऐतिहासिक बैठक में कई प्रगतिशील प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें सबसे प्रमुख है–हर ऑन-कैंपस कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों के लिए एक अतिरिक्त (सुपरन्यूमेररी) सीट का सृजन–यह विश्वविद्यालय की सामाजिक समावेशिता और समानता के प्रति प्रतिबद्धता की सशक्त पुष्टि है।

यह अग्रणी निर्णय संस्थान के व्यापक सामाजिक दायित्व को पूरा करने के संकल्प को रेखांकित करता है, जिससे उच्च शिक्षा वास्तव में समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ हो सके।

परिषद ने राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) तथा इसके मानक संचालन प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप से अपनाने की सहमति दी, जिससे विश्वविद्यालय में इसके सुगम कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ। लंबी चर्चाओं के दौरान सदस्यों ने मौजूदा दिशानिर्देशों और विधानों को यूजीसी के नवीनतम मानकों के अनुरूप संरेखित किया तथा कई नए और संशोधित शैक्षणिक कार्यक्रमों को हरी झंडी दिखाई।

मुख्य मंजूरियों में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) के अंतर्गत एम.ए. इतिहास कार्यक्रम तथा बेसिक अकाउंटिंग, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) और आयकर रिटर्न दाखिल करने संबंधी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पूर्ण अनुरूप चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम–डिज़ाइन योर डिग्री–के संशोधित विधानों को भी मंजूरी मिली। गति को और बढ़ाते हुए, परिषद ने भूविज्ञान विभाग के अंतर्गत आपदा प्रबंधन में नया स्नातकोत्तर (एम.ए./एम.एससी.) डिग्री कार्यक्रम भी स्वीकृत किया।

एक अन्य छात्र-केंद्रित कदम में, परिषद ने उम्मीदवारों को किसी भी यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में नियमित भौतिक मोड के एक शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ-साथ ओडीएल/ऑनलाइन मोड में एक अन्य शैक्षणिक कार्यक्रम

शेष पृष्ठ 2 पर

नींव से शिखर तक : जम्मू विश्वविद्यालय की ऊर्ध्वाधर विकास यात्रा

जम्मू विश्वविद्यालय एक के बाद एक मील के पत्थर हासिल कर रहा है, और इसका विशाल परिसर एक व्यापक कायापलट से गुजर रहा है–अत्याधुनिक नवाचार केंद्रों से लेकर आधुनिक खेल एरीना और पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइनों तक। इस महत्वाकांक्षी विकास लहर का नेतृत्व कर रहे हैं सहायक कार्यकारी अभियंता (सिविल) इंजी. आकाश भोला, जिनकी 25 वर्षों की अटूट समर्पण ने विश्वविद्यालय के भौतिक परिदृश्य को चुपचाप आकार दिया है। जेयू पोस्ट से एक संक्षिप्त बातचीत में इंजी. आकाश भोला ने जम्मू विश्वविद्यालय के परिवर्तन के वर्तमान, अतीत और भविष्य के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

जेयू पोस्टः इंजी. आकाश, जम्मू विश्वविद्यालय कई नई सुविधाओं के साथ एक उल्लेखनीय परिवर्तन से गुजर रहा है। इस कार्य का बड़ा हिस्सा संभाल रहे सहायक कार्यकारी अभियंता (सिविल) के रूप में आप इस विकास चरण को कैसे वर्णित करेंगे?

इंजी. आकाश भोलाः यह वास्तव में विश्वविद्यालय के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी चरण है। हम केवल इमारतें नहीं जोड़ रहे; हम पूरे परिसर को पुनर्कल्पित कर रहे हैं ताकि वह अधिक छात्र-केंद्रित, नवाचार-प्रेरित और सतत हो। माननीय कुलपति प्रो. उमेश राय के दूरदर्शी मार्गदर्शन में हर परियोजना को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से योजना बनाई जा रही है–ऐसे स्थान जो आने वाले 50 वर्षों या उससे अधिक समय तक शैक्षणिक जरूरतों की सेवा करेंगे।

जेयू पोस्टः सबसे चर्चित परियोजनाओं में से एक है इनोवेशन टावर। इसके बारे में और बताइए?

इंजी. आकाश भोलाः बिल्कुल। जनवरी 2024 में इसका शिलान्यास हुआ था, और फेज-द्ध–एक जी+3 संरचना जिसकी लागत लगभग 12.5 करोड़ रुपये है–वर्तमान में निर्माणाधीन है। यह उद्यमिता, स्टार्ट-अप्स, अनुसंधान इनक्यूबेशन और उद्योग सहयोग के लिए एक समर्पित केंद्र होगा। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि हमने नींव और कॉलम इस तरह डिज़ाइन किए हैं कि भविष्य में इसे सात मंजिला तक बढ़ाया जा सके। इस तरह जरूरतें बढ़ने पर टावर बिना बड़े पुनर्निर्माण के उनके साथ बढ़ सकेगा।

जेयू पोस्टः पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग के लिए नई इमारत भी रोमांचक लगती है।

छात्र क्या उम्मीद कर सकते हैं?

इंजी. आकाश भोलाः यह 2026 की शुरुआत तक तैयार हो जानी चाहिए। हम आधुनिक कक्षाएँ, डिजिटल न्यूज़रूम, पूर्ण सुसज्जित प्रसारण स्टूडियो और मीडिया लैब बना रहे हैं–सब कुछ आज की तेज़ी से विकसित हो रही मीडिया इंडस्ट्री के अनुरूप। उद्देश्य है कि छात्रों को परिसर में ही व्यावहारिक, उद्योग-संबंधित अनुभव मिले।

जेयू पोस्टः खेल सुविधाओं में भी बड़ा उन्नयन हो रहा है, है ना?

इंजी. आकाश भोलाः हाँ, और मुझे इस पर विशेष गर्व है। हम एक बहुउद्देशीय इनडोर खेल हॉल और अत्याधुनिक 10 मीटर शूटिंग रेंज बना रहे हैं, जो 2025 के अंत तक पूरी हो जानी चाहिए। ये हमारे छात्रों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में मदद करेंगे। ये क्रिकेट स्टेडियम को पूरक हैं, जिसमें अब शाम के अभ्यास और मैचों के लिए हाई-मास्ट लाइटिंग है।

जेयू पोस्टः विश्वविद्यालय के लिए भूमि एक बड़ी बाधा है। आप इस चुनौती से कैसे निपट रहे हैं?

इंजी. आकाश भोलाः 1969 में अधिग्रहीत मूल भूमि लगभग पूरी तरह उपयोग में आ चुकी है। इसलिए हम ऊर्ध्वाधर विस्तार की ओर मुड़े हैं। अधिकांश नई इमारतें जी+3 के रूप में डिज़ाइन की गई हैं, जिनमें बाद में जी+7 तक जाने का प्रावधान है। इससे परिसर की हरित विशेषता और पारिस्थितिक संतुलन को बिना बाधित किए स्थान का अधिकतम उपयोग होता है।

जेयू पोस्टः आप 1998 से विश्वविद्यालय से जुड़े हैं। पीछे मुड़कर देखें तो आपके लिए व्यक्तिगत रूप से कौन-सी परियोजनाएँ खास हैं?

इंजी. आकाश भोलाः बहुत सारी! मैंने जूनियर इंजीनियर के रूप में उत्तर परिसर में स्वास्थ्य केंद्र की निगरानी से शुरुआत की। बाद में मैंने जनरल ज़ोरावर सिंह ऑडिटोरियम, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, लॉ स्कूल भवन, शिक्षा विभाग के विस्तार और वाडिया म्यूज़ियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के नवीनीकरण की देखभाल की। 2005 में मैंने भद्रवाह कैंपस के विकास में भी समय बिताया। हर परियोजना विश्वविद्यालय की वृद्धि में एक मील का पत्थर रही है–और मेरी भी।

जेयू पोस्टः हम नई पार्किंग और केंद्रीकृत व्याख्यान कक्ष परिसर की योजनाओं के बारे में भी सुन रहे हैं। कोई अपडेट?

इंजी. आकाश भोलाः ज़ोरावर सिंह ऑडिटोरियम के पीछे लगभग 200 वाहनों की नई पार्किंग सुविधा बन रही है, जो ट्रैफिक को कम करेगी और हमारे हरित परिसर पहल का समर्थन करेगी। सभी विभागों के लिए साझा कक्षाओं वाला केंद्रीकृत व्याख्यान कक्ष परिसर का प्रस्ताव फंडिंग के लिए सरकार को भेजा गया है। और मुख्य विश्वविद्यालय द्वार के नवीनीकरण को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है; काम जल्द शुरू हो जाएगा। इससे परिसर को एक स्वागतयोग्य, आधुनिक प्रवेश द्वार मिलेगा।

जेयू पोस्टः सतत विकास एक बार-बार आने वाला विषय लगता है। इसे कैसे शामिल किया जा रहा है?

इंजी. आकाश भोलाः यह हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में है। विश्वविद्यालय पहले से ही हरित परिसर के रूप में मान्यता प्राप्त है, और हम सभी परियोजनाओं में पर्यावरण-अनुकूल निर्माण प्रथाओं का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन बुनियादी ढाँचा उतना ही अच्छा है जितनी देखभाल उसे मिलती है। मैं हमेशा छात्रों और स्टाफ को कहता हूँ: ये सुविधाएँ हम सभी की हैं। हमें इनका सम्मान करना और संरक्षित रखना चाहिए।

जेयू पोस्टः अंत में, यह परिवर्तन छात्रों और आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या अर्थ रखता है?

इंजी. आकाश भोलाः इसका अर्थ है 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार एक परिसर–ऐसे स्थान जो नवाचार को प्रेरित करें, प्रतिभा को पोषित करें, कल्याण को बढ़ावा दें और गर्व को जगाएँ। प्रशासन, फैकल्टी और छात्रों के समर्थन से हम केवल संरचनाएँ नहीं, बल्कि एक मजबूत, अधिक जीवंत जम्मू विश्वविद्यालय बना रहे हैं जो आने वाली पीढ़ियों के शिक्षार्थियों की सेवा करेगा।

जेयू पोस्टः इन अंतर्दृष्टियों को साझा करने के लिए धन्यवाद।

इंजी. आकाश भोलाः धन्यवाद। उस संस्थान में योगदान देने का सम्मान है जिसने मुझे इतना कुछ दिया है।

पृष्ठ 1 का शेष

वीरता की गूँज : जम्मू विश्वविद्यालय

परे जाकर धार्मिकता और न्याय के स्थायी मूल्यों का प्रतीक है–वे मूल्य जो बदलते वैश्विक चुनौतियों के बीच आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सशस्त्र बलों की आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाइयों के लिए सलाम किया, महाकाव्य के योद्धाओं से शक्तिशाली समानता खींचते हुए, और भारत की दृढ़ नीति दोहराईः आतंकवाद को किसी भी समर्थन का सामना अटूट संकल्प से होगा। युवाओं की ओर मुड़ते हुए, उन्होंने नई पीढ़ी की लोकतंत्र, संप्रभुता और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया, छात्रों से अपील की कि वे सैनिकों की सीमा सतर्कता की तरह नवाचार और आर्थिक विकास में योगदान दें। उपराज्यपालों, वरिष्ठ अधिकारियों, साहित्यिक हस्तियों, फैकल्टी और उत्साही छात्रों के साथ, यह आयोजन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था–यह एक हृदयस्पर्शी याद दिलाता है कि कर्ण जैसी महान कहानियाँ, दिनकर द्वारा अमर बनाई गईं, हर भारतीय हृदय में साहस और एकता की ज्योत जलाती रहती हैं।

समावेशिता में मील का पत्थर :

एक साथ persegu करने की अनुमति देने वाले प्रावधानों को मंजूरी दी, जो अद्यतन राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप है। व्यक्तिगत रूप से उपस्थित तथा वर्चुअल माध्यम से जुड़े सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रो. राय ने ऑफ-कैंपस आयोजन को संस्थागत पहुंच में परिवर्तनकारी छलांग बताया। ÷हमारे दूरस्थ कैंपसों को सशक्त बनाना और मुख्य शैक्षणिक चर्चाओं को दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों, फैकल्टी तथा नागरिक समाज तक पहुँचाना समावेशी विकास के लिए आवश्यक है,÷ उन्होंने जोर दिया। उन्होंने शैक्षणिक, अनुसंधान, बुनियादी ढाँचे, डिजिटल परिवर्तन तथा राष्ट्रीय रैंकिंग में हालिया प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें प्रतिष्ठित ए++ एनएएसी मान्यता भी शामिल है।

जम्मू विश्वविद्यालय भारत के 2047

'औपनिवेशिक शासन के दौरान हमने वह सरेखण खो दिया,' प्रो. राय ने चिंतन किया। 'अब विकसित भारत बनने की यात्रा यहीं से शुरू होनी चाहिए–हमारे स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से।÷

यह अवसर था विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम के उद्घाटन का, जो जम्मू विश्वविद्यालय में 31 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक चार दिवसीय युवा उत्सव के रूप में आयोजित होने वाला है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 में भारत के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण का जीवंत अभिव्यक्त है–एक दृष्टिकोण जिसे प्रो. राय ने सरकारी नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मिशन बताया, जिसका नेतृत्व विश्वविद्यालयों को करना है।

उन्होंने इस नेतृत्व की प्रेरणादायक तस्वीर पेश कीः रटंत शिक्षा से समस्या-समाधान की ओर बढ़ना; नौकरी के पीछे भागने से नौकरियाँ पैदा करने की ओर; हर पाठ्यक्रम में कौशल विकास, रचनात्मकता और जिज्ञासा को शामिल करना। वे परिसर में आने वाले इनोवेशन टावर के बारे में उत्साह से बोले–एक ऐसा स्थान जो बड़े विचारों, स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन और व्यापक समुदाय के साथ साझेदारी के लिए डिज़ाइन किया गया है।

लेकिन प्रो. राय के लिए ज्ञान अकेला काफी नहीं है। उन्होंने मूल्य-आधारित शिक्षा का भावुक पक्ष रखा, जो चरित्र को बुद्धि जितना ही आकार देती है। 'हमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, पारस्परिक कौशल और सामाजिक नैतिकता सिखानी होगी,' उन्होंने जोर दिया। 'यदि हम मानवीय मनुष्य नहीं बना सके, तो हम जो कुछ भी बनाएँगे, उसका अर्थ खो जाएगा।' उन्होंने काले चुनौतियों से भी मुँह नहीं मोड़ा। मादक पदार्थों के सेवन को अपराध और यहां तक कि आतंकवाद से जोड़ते हुए उन्होंने नशे के खिलाफ वास्तविक और निरंतर संघर्ष की अपील की। 'नशा मुक्त भारत सिर्फ नारा नहीं हो सकता,' उन्होंने दृढ़ता से कहा। 'जब तक हम अपनी युवा पीढ़ी को व्यसन से मुक्त नहीं करेंगे, विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा।'

उनके शब्दों के पीछे उन सहयोग के लिए मौन कृतज्ञता थी जिन्होंने इतनी बड़ी महत्वाकांक्षाओं को संभव बनाया है। उन्होंने विशेष रूप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया, जिनके नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढाँचे और कृषि में बदलाव आया है तथा जो लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों से जूझ रहे शैक्षणिक संस्थानों के साथ खड़े रहे हैं।

दर्शकों में मौजूद युवा चेहरों को देखते हुए प्रो. राय ने सीधा निमंत्रण दियाः 'एमवाई भारत पोर्टल पर रजिस्टर करें। अपनी रुचियाँ सावधानी से चुनें। भारत सरकार इंटर्नशिप, राष्ट्रीय परियोजनाओं और वास्तविक अवसरों के द्वार खोल रही है–आपका भविष्य उस एक कदम से शुरू होता है।'

आने वाला उत्सव स्वयं युवा ऊर्जा और राष्ट्रीय उद्देश्य का उत्सव होने जा रहा है। चार दिनों में छात्र सरकारी विभागों की प्रदर्शनियाँ देखेंगे, प्रेरक नेताओं को सुनेंगे, वक्तृत्व और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमताएँ आजमाएँगे, योग अभ्यास करेंगे और नशा मुक्त भारत रैली में हिस्सा लेंगे–जहाँ फैकल्टी, स्टाफ, शोधार्थी और छात्र एक साथ मिलकर नशा-मुक्त भारत के लिए मार्च करेंगे।

एआई : एक सतत कल को आकार देना – कठुआ कैंपस विशेषज्ञ व्याख्यान से अंतर्दृष्टि

जेयू पोस्ट

कठुआः उस युग में जहां प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय चिंताएं तेजी से एक-दूसरे से जुड़ रही हैं, जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ कैंपस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'सतत भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका' पर एक प्रबोधक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। कंप्यूटर साइंस एवं आईटी विभाग द्वारा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) के सहयोग से आयोजित इस सत्र में छात्रों, फैकल्टी और टेक उत्साहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि एआई हरे ग्रह के निर्माण में एक शक्तिशाली सहयोगी कैसे बन सकता है।

स्पॉटलाइट में थे डॉ. यशवंत सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के प्रोफेसर और रजिस्ट्रार, जिनकी विशेषज्ञता और विषय के प्रति उत्साह ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. सिंह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर गहराई से चर्चा की और इसके वास्तविक दुनिया में प्रभाव को उदाहरणों के साथ समझाया। उन्नत जलवायु मॉडलिंग से जो पर्यावरणीय आपदाओं की भविष्यवाणी और न्यूनीकरण में मदद करती है, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को अधिक कुशल बनाने तक, एआई पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। उन्होंने प्रेसिजन एग्रीकल्चर का उदाहरण दिया–जहां एआई-संचालित उपकरण किसानों को अपशिष्ट कम करने, पानी बचाने और पैदावार बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं–और स्मार्ट शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर जो शहरों में ऊर्जा खपत को न्यूनतम करता है।

'एआई केवल एक तकनीकी प्रगति नहीं है; यह लचीलापन का उपकरण है,' डॉ. सिंह ने जोर देते हुए कहा, और बुद्धिमान प्रणालियों को एकीकृत करके अधिक सतत और समान भविष्य बनाने का आग्रह किया।

इस आयोजन को कैंपस नेतृत्व से मजबूत समर्थन मिला। प्रो. अरविंद जसरोटिया, कठुआ कैंपस के रेक्टर, ने अपने संदेश में फैकल्टी की इस पहल की सराहना की और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। 'छात्रों में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देकर, हम उन्हें आज की चुनौतियों से कल का सामना करने के लिए तैयार करते हैं,' उन्होंने कहा।

डॉ. रोकी गुप्ता, यूआईईटी के प्रिंसिपल, ने युवा दर्शकों को एआई में गहराई से उतरने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि इस प्रौद्योगिकी को केवल करियर पथ के रूप में न देखें बल्कि दबावपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के साधन के रूप में देखें। 'एआई-संचालित समाधान समाज की भलाई और सततता को बढ़ाने की शक्ति रखते हैं,' उन्होंने टिप्पणी की। 'यह आपके लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर है।'

जलवायु परिवर्तन और संसाधन कमी पर चर्चाएं तेज होने के साथ, ऐसे आयोजन हमें याद दिलाते हैं कि नवाचारियों की अगली पीढ़ी–ज्ञान और उत्साह से लैस–सतत भविष्य की कुंजी रखती है। कठुआ कैंपस में यह व्याख्यान न केवल सूचना प्रदान किया बल्कि प्रेरित भी किया, एआई-संचालित समाधानों के बीज बोए जो एक दिन हमारे ग्रह को ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

संगीत की नई धुन : भादरवाह कैंपस ने शुरू किया छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

जेयू पोस्ट

भादरवाहः भादरवाह की शांत घाटियों में, जहाँ हवा समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की गूँज से भरपूर है, जम्मू विश्वविद्यालय के भादरवाह कैंपस ने छह महीने के संगीत में सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत करके एक नया स्वर छेड़ा है। स्कूल ऑफ एजुकेशन के तहत शुरू किया गया यह नवाचारी कार्यक्रम महत्वाकांक्षी संगीतकारों के लिए दरवाजे खोलता है, जो प्रतिभा को निखारने, संगीत की गहरी सराहना करने और जम्मू-कश्मीर की जीवंत संगीतमय विरासत को मनाने के लिए एक संरचित स्थान प्रदान करता है। चित्रमय कैंपस पर आयोजित उद्घाटन समारोह रचनात्मकता और संस्कृति का उत्सव था। प्रो. राहुल गुप्ता, भादरवाह कैंपस के रेक्टर, ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई और कार्यक्रम के लिए प्रेरणादायक स्वर स्थापित किया। छात्रों, फैकल्टी और स्टाफ के उत्साही समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने इस कोर्स को कैंपस की शैक्षणिक पेशकशों में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया। ÷संगीत आत्मा को ऊँचा उठाता है और समुदायों को जोड़ता है,÷ प्रो. गुप्ता ने उत्साहपूर्वक कहा। ÷इस सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से हम एक ऐसा मंच प्रदान कर रहे हैं जो न केवल छिपी प्रतिभा को निखारता है बल्कि हमारे क्षेत्र की सांस्कृतिक भावना को भी मजबूत करता है।÷ उन्होंने इस पहल को भादरवाह कैंपस को अंतर्विषयी शिक्षा का जीवंत केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जहाँ कलात्मक प्रयास शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ सहजता से जुड़ते हैं।

रियासी कैंपस ने नए छात्रों के लिए प्रेरणादायक इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया

जेयू पोस्ट

रियासीः जम्मू विश्वविद्यालय के रियासी कैंपस ने 7 अगस्त 2025 को एक जीवंत एक दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के माध्यम से अपने नए समूह का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह कार्यक्रम एमडीपी सोशियोलॉजी कार्यक्रम (शैक्षणिक सत्र 2025-26) के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को संस्थान की समृद्ध शैक्षणिक संस्कृति और पाठ्यक्रम में डुबोने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

इस आयोजन में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की उपस्थिति ने छात्रों के आगे की यात्रा के लिए उत्साहजनक स्वर स्थापित किया। प्रो. विशव रक्षा, जम्मू विश्वविद्यालय के सोशियोलॉजी विभाग की अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि प्रो. बलजीत सिंह मान, जम्मू विश्वविद्यालय के पॉलिटिकल साइंस विभाग के अध्यक्ष, सम्मानित अतिथि एवं आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल हुए।

प्रो. एस.के. पांडे, रियासी कैंपस के निदेशक, ने अतिथियों और नए प्रवेशकर्ताओं का हार्दिक स्वागत किया। अपनी अंतर्दृष्टिपूर्ण प्रस्तुति में उन्होंने छात्रों को जम्मू विश्वविद्यालय की विरासत और रियासी कैंपस की अनूठी ताकतों से परिचित कराया। नए छात्रों से निकट बातचीत करते हुए प्रो. पांडे ने उन्हें शिक्षण, अधिगम और आरामदायक हॉस्टल सुविधाओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाओं का आश्वासन दिया। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया तथा भविष्य की सफलता के लिए हार्ड और सॉफ्ट स्किल्स दोनों के विकास पर जोर दिया।

'यह कैंपस केवल शिक्षा और प्रशिक्षण के बारे में नहीं है,' प्रो. पांडे ने उत्साहपूर्वक कहा। 'यह व्यक्तित्व, दृष्टिकोण, चरित्र निर्माण और आपको बहुमुखी व्यक्तियों में बदलने के बारे में है।' उन्होंने छात्रों से हर अवसर को उत्साह और समर्पण के साथ अपनाने का आग्रह किया। प्रो. विशव रक्षा ने मानवीय मूल्यों और व्यावसायिक नैतिकता पर विस्तृत व्याख्यान देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने ईमानदारी, सम्मान, अखंडता, सहयोग और सहानुभूति जैसे सार्वभौमिक मूल्यों की सफल और सार्थक जीवन में अपरिहार्य भूमिका पर बल दिया। नए बैच को प्रेरित करते हुए उन्होंने उन्हें कैंपस की विशाल सुंदरता, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं और समृद्ध पुस्तकालय की पूरी सराहना करने का निमंत्रण दिया।

क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप नए शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रस्ताव पाइपलाइन में : कुलपति

जेयू पोस्ट

पुंछः समावेशी उच्च शिक्षा की मजबूत पुष्टि में, जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने विश्वविद्यालय के पुंछ कैंपस का दौरा किया, जहाँ उन्होंने शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा की, चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निरीक्षण किया तथा रक्षा-अकादमिक सहयोग और सामुदायिक जुड़ाव के नए अवसरों की खोज की। इस दौरे ने विश्वविद्यालय की उस दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जो सीमावर्ती और दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने की है, तथा उन गाँवों को जो कभी 'आखिरी गाँव' कहलाते थे, उन्हें राष्ट्र के 'पहले गाँ' में बदलने की–माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिपादित दृष्टि को साकार करने की है।

यह दौरा विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक मील के पत्थर की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाता हैः पहली बार विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णयकारी संस्था शैक्षणिक परिषद की बैठक 15 जून 2025 को भादरवाह कैंपस में आयोजित की जाएगी। यह कदम जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल, जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, के दूरदर्शी मार्गदर्शन से पूरी तरह मेल खाता है, जिन्होंने संघ राज्य क्षेत्र में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल संबंधी अवसरों के विस्तार के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास की निरंतर वकालत की है।

भादरवाह कैंपस क्षेत्रीय विरासत का उत्सव मनाने, छात्र भागीदारी को बढ़ावा देने तथा सांप्रदायिक सौहार्द को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक, साहित्यिक और खेल आयोजनों की एक जीवंत श्रृंखला से गूँज उठेगा। ये पहलें स्थानीय भाषाओं, सांस्कृतिक पहचान और समावेशी प्रथाओं के संरक्षण के प्रति विश्वविद्यालय की समर्पण को उजागर करती हैं। मुख्य आयोजनों जैसे शैक्षणिक परिषद की बैठक को ऑफ-साइट कैंपसों में आयोजित करके विश्वविद्यालय का उद्देश्य इन स्थानों को अपने मूल ढांचे में बुना जाना है, जिससे सभी हितधारकों में गहरी स्वामित्व और साझा उद्देश्य की भावना विकसित हो।

क्लासरूम और न्यूजरूम के बीच सेतु : जर्नलिज्म विभाग ने जीसीडब्ल्यू छात्राओं के लिए 10-दिवसीय इंटर्नशिप शुरू की

प्रितिका/तनु

जम्मू: अनुभवात्मक शिक्षा की दिशा में एक जीवंत प्रयास में, जम्मू विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज विभाग ने आज पद्मश्री पद्मा सचदेव (पीएसपीएस) गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन, गांधी नगर की लगभग 140 छात्राओं के लिए 10-दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पहल मीडिया और संचार में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे युवा महिलाएं पत्रकारिता के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल में महारत हासिल कर सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों के अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्रों से हुई, जिन्होंने डिजिटल युग में पत्रकारों की बदलती भूमिका पर गहन चर्चा की।

रोशन किशोर, हिंदुस्तान टाइम्स के डेटा एवं पॉलिटिकल इकोनॉमी एडिटर, ने अनुकूलनशीलता, नैतिक रिपोर्टिंग और स्टोरीटेलिंग की कला पर जोर देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ÷पत्रकारिता केवल तथ्यों की रिपोर्टिंग नहीं है; यह ऐसी कथाएँ गढ़ना है जो सूचित करें और प्रेरित करें,÷

उन्होंने कहा। ÷यह इंटर्नशिप छात्राओं को वास्तविक कार्यों के माध्यम से इन कौशलों को निखारने में मदद करेगी।÷

सुमित चतुर्वेदी, ईटी नाउ के दिल्ली ब्यूरो चीफ एवं सीनियर न्यूज एडिटर, ने अपने व्यापक अनुभव से प्राप्त मूल्यवान अंतर्दृष्टियाँ साझा कीं। उन्होंने पत्रकारिता शिक्षा में व्यावहारिक एक्सपोजर की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया। 'मीडिया परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, और इस तरह की पहलें छात्राओं को वास्तविक चुनौतियों का सामना करने तथा उद्योग अपेक्षाओं के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने के लिए सशक्त बनाती हैं,' चतुर्वेदी ने टिप्पणी की।

शुभारंभ समारोह में प्रो. गरिमा गुप्ता, जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज विभाग की अध्यक्ष, ने गर्मजोशी भरा स्वागत संबोधन दिया। कुलपति प्रो. उमेश राय के दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित होकर उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम सिद्धांत और अभ्यास के बीच की खाई को कैसे पाटते हैं। 'यह इंटर्नशिप छात्राओं के लिए मीडिया की बारीकियों की खोज करने, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने तथा रचनात्मकता को उजागर करने का एक शक्तिशाली मंच है,' प्रो. गुप्ता ने कहा। वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य प्रो. दुश्यंत कुमार राय ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया तथा बताया कि कार्यक्रम छात्राओं को रिपोर्टिंग, कंटेंट क्रिएशन और मीडिया एथिक्स में डुबोएगा–जो पुरस्कृत करियर की मजबूत नींव रखेगा।

10 दिनों तक चलने वाले इस पाठ्यक्रम में न्यूज प्रोडक्शन, डिजिटल मीडिया, पब्लिक रिलेशंस, वर्कशॉप, फील्ड असाइनमेंट और पेशेवरों के साथ सीधे अंतर्क्रियाओं की व्यापक गहराई का वादा है। जुलाई 2024 में आयोजित समान 20-दिवसीय इंटर्नशिप की सफलता पर आधारित यह प्रयास विभाग की उद्योग-अकादमिक सहयोग के प्रति समर्पण को मजबूत करता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुभवात्मक शिक्षा पर फोकस से पूरी तरह मेल खाता है।

मंच संचालन कुशलता से कुमेरजीत चजगोत्रा ने किया, जबकि फैकल्टी सदस्य डॉ. प्रदीप बाली और डॉ. रामियन भारद्वाज ने भी आयोजन की सफलता में योगदान दिया।

छात्राओं और फैकल्टी ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है, तथा प्रतिभागी क्लासरूम ज्ञान को वास्तविक परिदृश्यों में लागू करने को लेकर उत्साह से भरे हुए हैं। जैसे ही ये महत्वाकांक्षी पत्रकार न्यूजरूम वातावरण में कदम रख रही हैं, यह कार्यक्रम सशक्तिकरण का एक प्रकाशस्तंभ बनकर उभरता है, जो महिलाओं की नई पीढ़ी को आत्मविश्वास और क्षमता के साथ मीडिया के भविष्य को आकार देने के लिए तैयार कर रहा है।

जम्मू विश्वविद्यालय की वृक्षारोपण मुहिम पर्यावरण संरक्षण की जरूरी पुकार को गूँजाती है

रिज़िन/अधिति

जम्मू: बढ़ते वैश्विक तापमान और प्राकृतिक संसाधनों के क्षय के बीच आज जम्मू विश्वविद्यालय हरा-भरा समुद्र बन गया, जहाँ प्रेरणादायक वृक्षारोपण अभियान 'फ्रॉम सिप्स टू सैपलिंग्स' आयोजित हुआ–एक मार्मिक याद दिलाता हुआ कि प्रकृति को तत्काल ध्यान और कार्रवाई की जरूरत है। कुलपति प्रो. उमेश राय ने पौधे लगाते हुए और उत्साही प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए इस पहल को भारत की गहरी पारिस्थितिक परंपराओं से जोड़ा। ÷बढ़ता तापमान, घटता भूजल और ग्लोबल वॉर्मिंग प्रकृति को तत्काल देखभाल की याद दिलाते हैं,' उन्होंने कहा, 'खुद को बचाने के लिए हमारे पास अधिक से अधिक पेड़ लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।' सांस्कृतिक बदलावों पर चिंतन करते हुए प्रो. राय ने तालाबों, कुओं और बगीचों के गायब होने से पर्यावरणीय संतुलन और बचपन की मासूमियत के बाधित होने पर दुख जताया। 'जब बगीचे गायब हो जाते हैं, तो बचपन भी गायब हो जाता है,' उन्होंने काव्यात्मक ढंग से कहा।

माननीय प्रधानमंत्री की हृदयस्पर्शी मुहिम 'एक पेड़ माँ के नाम' पर आधारित होकर कुलपति ने कैंपस-विशिष्ट अपील जारी की: 'एक पेड़ विश्वविद्यालय के नाम'–सभी से आग्रह किया कि पर्यावरणीय प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में विश्वविद्यालय को एक पेड़ समर्पित करें। प्रो. राय ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में कैंपस की हरी-भरी बदलाव का श्रेय उद्यानकृषि टीम को उदारतापूर्वक दिया, विशेष रूप से उद्यानकृषिविद् अजमेर सिंह का नाम लिया। 'मैं सुविधाकर्ता हो सकता हूँ, लेकिन असली श्रेय उनकी निरंतर मेहनत को जाता है,' उन्होंने स्वीकार किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री शांतमनु ने मीडिया से बात करते हुए मानव और प्रकृति के गहन संबंध पर जोर दिया। 'जैसे एक बच्चा पेड़ को बढ़ते देखता है और बड़ा होकर उसे परिपक्व देखता है, हर चरण में जीवन के सबक हैं,' उन्होंने चिंतन किया। विश्वविद्यालय की स्थिरता नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि रोपण केवल शुरुआत है: 'हर पौधा एक जीवन है–इसें बाड़, देखभाल और संरक्षण चाहिए, ठीक वैसे जैसे नर्सरी में बच्चे को।'

उन्होंने क्लासिक नारे को नया रूप देने का प्रस्ताव रखा 'पेड़ लगाओ, वर्तमान बचाओ', स्थगित उम्मीदों के बजाय तत्काल कार्रवाई की अपील की।

फिटनेस की ओर : जम्मू विश्वविद्यालय ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' रैली का जीवंत आयोजन किया

सुहैल अहमद

जम्मू: स्वास्थ्य और स्थिरता के उत्साही उत्सव में, जम्मू विश्वविद्यालय के खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय ने आज फिट इंडिया मिशन के सहयोग से तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तत्वावधान में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' रैली का आयोजन किया। यह ऊर्जावान आयोजन एक राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है, जो नागरिकों को अपनी दैनिक दिनचर्या में शारीरिक गतिविधि को सहजता से शामिल करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि एक अधिक फिट और सक्रिय भारत का निर्माण हो सके।

साइकिलिंग रैली की शुरुआत सुबह-सुबह व्यस्त विश्वविद्यालय कैंपस से हुई, जिसमें छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और स्थानीय निवासियों की उत्साही भीड़ ने एकता और के प्रदर्शन में साथ-साथ पैडल मारे। भारत सरकार के प्रमुख फिट इंडिया मूवमेंट से पूरी तरह मेल खाते हुए यह पहल समग्र कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो व्यस्त दिनचर्या में हर किसी को फिटनेस को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करती है।

खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय से फ्लैग ऑफ की गई रैली की निगरानी डॉ. दाऊद इकबाल बाबा, निदेशालय के निदेशक, ने की, जिन्होंने साइकिलिंग के बहुआयामी लाभों पर जोर दिया। 'साइकिलिंग न केवल पर्यावरण-अनुकूल परिवहन का साधन है, बल्कि एक शानदार कार्डियोवस्कुलर व्यायाम भी है जो शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाता है,' उन्होंने साझा किया। 'यह अभियान एक अधिक स्वस्थ और सक्रिय समुदाय के निर्माण की दिशा में हमारा विनम्र कदम है।'

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' श्रृंखला को एक आवर्ती अभियान के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो लोगों को सप्ताह में कम से कम एक दिन गैर-मोटराइज्ड गतिविधि और आनंदपूर्ण शारीरिक प्रयास के लिए समर्पित करने का आग्रह करता है। आज की सफलता से उत्साहित होकर जम्मू विश्वविद्यालय इसको मासिक परंपरा में बदलने की योजना बना रहा है, ताकि गति बनी रहे और छात्रों, फैकल्टी तथा व्यापक जम्मू समुदाय से और भी अधिक भागीदारी मिले।

जैसे-जैसे कैंपस मार्गों पर पहिए घूमे और मुस्कानें फैलीं, रैली ने एक ताज़ा याद दिलाई: छोटे, निरंतर कदम–या पैडल–एक अधिक मजबूत, हरे-भरे और जीवंत राष्ट्र की ओर ले जा सकते हैं। जम्मू विश्वविद्यालय में इस तरह की पहलें एक अधिक स्वस्थ कल की ओर पैडल मार रही हैं।

संपादकीय मंडल:
मुख्य संपादक: प्रो. गरिमा गुप्ता, प्रबन्धक संपादक: प्रो. दुश्यन्त कुमार राय, समाचार संपादक: रामायण भाद्रवाज,
वरिष्ठ सहायक संपादक: शुभम चौधरी, प्रितिका सहायक संपादक: संचित, अभय